बाइबल में ईर्ष्या के बारे में क्या कहा गया है? क्या
ईर्ष्या के अलग-अलग प्रकार होते हैं? और क्या ईर्ष्या महसूस
करना पाप है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

गलातियों 5:19-21 (Hindi Bible Society) में ईर्ष्या को “मनुष्य के शरीर के काम” में गिना गया है, जो पापपूर्ण व्यवहार हैं:

“मनुष्य के शरीर के काम स्पष्ट हैं, जैसे कि व्यभिचार, अशुद्धता, वेश्यावृत्ति, मूर्तिपूजा, जादू टोना, वैर, कलह, ईर्ष्या, क्रोध, लड़ाई-झगड़ा, दल-बदली, मतभेद, ईर्ष्या,
मद्यपान, दुराचार और ऐसी अन्य बातें। मैं तुम्हें पहले ही चेतावनी देता हूँ कि जो ऐसा करते हैं, वे परमेश्वर के राज्य
को नहीं पाएंगे।”

यह पद स्पष्ट रूप से बताता है कि जब ईर्ष्या शरीर से उत्पन्न होती है और विनाशकारी व्यवहार को जन्म देती है, तो यह पाप है। पर बाइबल की पूरी समझ के लिए यह जानना जरूरी है कि पवित्र शास्त्र में ईर्ष्या के दो मुख्य प्रकार होते हैं: ईश्वर की ओर से होने वाली ईर्ष्या और सांसारिक ईर्ष्या।

1. सांसारिक ईर्ष्या
सांसारिक ईर्ष्या स्वार्थ और घमंड से उपजती है। यह जलन, कटुता और कभी-कभी हिंसा के रूप में प्रकट होती है। यह “मनुष्य के शरीर के कामों” से जुड़ी है, जो आत्मा के फल के विपरीत हैं (गलातियों

बाइबल में ईर्ष्या के बारे में क्या कहा गया है? क्या ईर्ष्या के अलग-अलग प्रकार होते हैं? और क्या ईर्ष्या महसूस
करना पाप है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

5:16-25)।

कैइन की ईर्ष्या हाबिल के प्रति एक प्रसिद्ध उदाहरण है (उत्पत्ति 4:3-8, HBS):
कैइन की ईर्ष्या हत्या के क्रोध में बदल गई क्योंकि परमेश्वर ने हाबिल की बलि स्वीकार की, पर उसकी नहीं। खुद को सुधारने की बजाय, कैइन की ईर्ष्या ने उसे गहरा पाप करने पर मजबूर किया।

इस प्रकार की ईर्ष्या कलह, विवाद और अंततः परमेश्वर से दूर होने का कारण बनती है (गलातियों 5:20-21)।

2. ईश्वर की ओर से ईर्ष्या
ईश्वर की ओर से ईर्ष्या, या “उत्साह,” धर्मपूर्ण और रक्षक होती है, जो प्रेम और पवित्रता की चाह से उत्पन्न होती है। इसे कभी- कभी “पवित्र ईर्ष्या” कहा जाता है।

परमेश्वर स्वयं को ईर्ष्यालु परमेश्वर के रूप में वर्णित करते हैं, जो अपनी गठबंधन वाली जनजाति को मूर्तिपूजा और अविश्वास से बचाते हैं (निर्गमन 34:14, HBS):

बाइबल में ईर्ष्या के बारे में क्या कहा गया है? क्या
ईर्ष्या के अलग-अलग प्रकार होते हैं? और क्या ईर्ष्या महसूस
करना पाप है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

“किसी और देवता की पूजा न करना, क्योंकि यहोवा, जो ईर्ष्यालु
है, वह एक ईर्ष्यालु परमेश्वर है।”

यीशु ने भी अपने समय में मंदिर को शुद्ध करते हुए ईश्वर की ओर से ईर्ष्या दिखाई (यूहन्ना 2:13-17, HBS)। उन्होंने मंदिर में मनीचेंजरों की मेजें उलट दीं क्योंकि वे परमेश्वर के घर को अपवित्र कर रहे थे। उनका उत्साह पूजा की पवित्रता के लिए था, व्यक्तिगत प्रतिशोध के लिए नहीं।

प्रेरित पौलुस भी अपने लोगों के लिए ईश्वर की ओर से ईर्ष्या का उदाहरण थे। वे चाहते थे कि इस्राएल परमेश्वर की ओर लौटे और उन्होंने ईर्ष्या को पुनरावृत्ति और जागृति के लिए एक उपकरण के रूप में इस्तेमाल किया:

रोमियों 11:14 (HBS):

“मैं अपने लोगों में ईर्ष्या जगा कर कुछ लोगों को बचाना
चाहता हूँ।”

बाइबल में ईर्ष्या के बारे में क्या कहा गया है? क्या
ईर्ष्या के अलग-अलग प्रकार होते हैं? और क्या ईर्ष्या महसूस
करना पाप है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

3. मानवीय संबंधों में ईर्ष्या
विवाह और परिवार में ईर्ष्या सुरक्षा और विश्वास की चाहत को दर्शाती है और प्राकृतिक भी हो सकती है।
उदाहरण के लिए, बाइबल विवाह को एक संबंध के रूप में दर्शाती है जिसमें विश्वासघात नहीं होना चाहिए, और चर्च को मसीह की शुद्ध दुल्हन कहा जाता है (2 कुरिन्थियों 11:2)।

लेकिन हिंसा, नियंत्रण या कटुता जैसी हानिकारक प्रवृत्तियों को जन्म देने वाली ईर्ष्या पापपूर्ण और विनाशकारी है।

4. क्या ईर्ष्या महसूस करना पाप है?
ईर्ष्या महसूस करना अपने आप में पाप नहीं है। यह तब पाप बन जाती है जब यह कटुता, घृणा, रंजिश या हानिकारक कार्यों को जन्म देती है।

याकूब 4:1-3 (HBS) समझाता है कि झगड़े और संघर्ष हमारे अंदर की इच्छाओं के कारण होते हैं। दूसरों के पास जो है उसे पाने की अत्यधिक लालसा पाप उत्पन्न करती है।

इसलिए, ऐसी ईर्ष्या जो हमें बेहतर बनने के लिए प्रेरित करती है बिना दूसरों को नुकसान पहुँचाए, स्वीकार्य या सकारात्मक हो

बाइबल में ईर्ष्या के बारे में क्या कहा गया है? क्या
ईर्ष्या के अलग-अलग प्रकार होते हैं? और क्या ईर्ष्या महसूस
करना पाप है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

सकती है। लेकिन जो ईर्ष्या हमारे हृदय और कर्मों को भ्रष्ट करती है, वह पाप है।

5. कैसे जीतें पापपूर्ण ईर्ष्या पर?
पापपूर्ण ईर्ष्या शरीर का काम है, और कोई भी इसे अपनी इच्छा से पार नहीं कर सकता।
इसका समाधान पवित्र आत्मा की शक्ति में है (गलातियों 5:16-25)। जब हम आत्मा के अनुसार चलते हैं, तो आत्मा का फल—प्रेम, आनंद, शांति, धैर्य, दयालुता और आत्मसंयम—शरीर के कामों को बदल देता है।

यीशु ने हमें पाप की बंधन से आज़ाद करने के लिए आए, जिसमें पापपूर्ण ईर्ष्या भी शामिल है (यूहन्ना 8:36)।

पश्चाताप, परमेश्वर के प्रति समर्पण और पवित्र आत्मा से परिपूर्ण होकर, विश्वासियों के लिए संभव है कि वे अपनी ईर्ष्या को ईश्वर की ओर से उत्साह और स्वस्थ महत्वाकांक्षा में बदल दें।

सारांश

बाइबल में ईर्ष्या के बारे में क्या कहा गया है? क्या
ईर्ष्या के अलग-अलग प्रकार होते हैं? और क्या ईर्ष्या महसूस
करना पाप है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 6

सांसारिक ईर्ष्या पापपूर्ण है और विनाशकारी व्यवहार को जन्म देती है।
ईश्वर की ओर से ईर्ष्या धार्मिक उत्साह और परमेश्वर के संबंधों की रक्षा है। ईर्ष्या महसूस करना अपने आप में पाप नहीं है, महत्वपूर्ण है कि आप इस भावना के साथ कैसे व्यवहार करते हैं।
पापपूर्ण ईर्ष्या को पार करने के लिए पवित्र आत्मा की शक्ति की आवश्यकता होती है।

यदि आप ईर्ष्या से जूझ रहे हैं या अपने जीवन में पवित्र आत्मा की भूमिका के बारे में और जानना चाहते हैं, तो मैं आपको और सिखाने में खुशी महसूस करूंगा।

ईश्वर आपको भरपूर आशीर्वाद दें।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp